ओमप्रकाश नाजवानी
सम्पादक

RNI No. : RAJHIN/2013/54948
Postal Regd. : RJ/AJ/210/2024-26

विज्ञापन हेतु
सम्पर्क करें।
9269214000
प्रति. बुक करावें

आगाज की आवाज

प्रतिस्पर्धा से दूर, खबरें भरपूर, आगाज हमारा, आवाज आपकी.....

www.aagajkiaawaj.com

वर्ष 12 | अंक 23 | पाक्षिक | अजमेर, 16 नवम्बर 2025 | मूल्य 10 रूपये | कुल पृष्ठ 4

हरियाणा से बिहार तक बीजेपी का कमबैक, चार राज्यों में गूंजा परचम

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में उम्मीद से काफी कम सीटें आने के बाद जिस बीजेपी को विपक्ष ने घेर लिया था, वही पार्टी अब चार बड़े राज्यों में अपनी मजबूत वापसी दर्ज करा चुकी है। मई 2024 में आए नतीजों में बीजेपी 370 सीटों के दावे से 240 पर सिमट गई थी और एनडीए को कुल 292 सीटें मिली थीं। इस परिणाम को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों और विरोधियों ने दावा किया था कि मोदी-शाह का जादू खत्म हो गया है।लोकसभा परिणामों के बाद बीजेपी के लिए यह झटका बड़ा था, क्योंकि 2019 में उसे 303 सीटें मिली थीं। इसके बाद पार्टी ने अपनी रणनीति, संगठन और चुनावी प्रबंधन का पुनर्मूल्यांकन किया। कमियों को पहचानकर टीम ने चुनावी तैयारी नए तरीके से शुरू की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज को आधार बनाकर प्रचार का मॉडल तैयार किया।बीजेपी की पहली परीक्षा हरियाणा में थी, जहां अधिकांश एग्जिट पोल और राजनीतिक विश्लेषक कांग्रेस की जीत की संभावना बता रहे थे। लेकिन पार्टी ने सभी अनुमानों को खारिज करते हुए लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाई और अपने दम पर बहुमत हासिल किया। हरियाणा के बाद पार्टी ने महाराष्ट्र में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और वह राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके बाद दिल्ली की बारी थी, जहां आम आदमी पार्टी पिछले दस साल से सत्ता में थी। बीजेपी ने आक्रामक चुनावी रणनीति अपनाते हुए चुनाव लड़ा और आप को सत्ता से बाहर कर दिया। लगभग 27 साल बाद पार्टी की दिल्ली की सत्ता में वापसी हुई।इसके बाद चुनावी सफर का अगला पड़ाव बिहार रहा। यहां बीजेपी ने जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ा। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और पार्टी के अन्य बड़े नेताओं ने राज्य में लगातार सभाएं कर एनडीए के पक्ष में माहौल बनाया। अब तस्वीर साफ है कि बिहार ने बीजेपी और एनडीए को मजबूत जनादेश दिया है और बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है।

एनडीए अटूट, नीतीश ही बड़े नेता: भाजपा ने अटकलों पर लगाया विराम

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

नई दिल्ली। बिहार चुनाव परिणाम के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या भाजपा जदयू को साथ लेकर चलेगी या फिर अन्य सहयोगी दलों के साथ नई सरकार बनाने पर विचार कर सकती है। इलेक्शन रिजल्ट ने इस संभावना को हवा दी क्योंकि भाजपा को 89, लोजपा को 19, हम को 5 और रालोम को 4 सीटें मिली हैं। इन चारों दलों की कुल सीटें 117 होती हैं, जबकि 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों की जरूरत होती है। दूसरी ओर जदयू को इस बार 85 सीटें मिली हैं।बहुजन समाज पार्टी और इंडियन एक्सक्लुसिव पार्टी के भी एक-एक उम्मीदवार जीते हैं। पिछले चुनाव में बसपा के टिकट से चुनकर आए जमा खान बाद में जदयू में शामिल हो गए थे, ऐसे में इस बार भी ऐसी किसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।हालांकि भाजपा के बिहार प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने इन सारी राजनीतिक अटकलों पर विराम लगा दिया है। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि एनडीए गठबंधन अटूट है और नीतीश कुमार ही गठबंधन के सबसे बड़े नेता हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे, तो प्रधान ने कहा कि एनडीए की सरकार बनेगी और नीतीश कुमार सबसे बड़े नेता हैं। चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री तय करेंगे कि कौन कौन सा मंत्री बनेगा। प्रधान से यह भी सवाल किया गया कि क्या भाजपा को मुख्यमंत्री पद का दावा नहीं करना चाहिए। इस पर उन्होंने कहा कि भ्रम नहीं फैलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी साफ किया है कि यह एनडीए की जीत है। धर्मेंद्र प्रधान के बयान से संकेत मिलता है कि बिहार में अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला नीतीश कुमार ही करेंगे। अगर वे चाहेंगे तो स्वयं मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर अपनी पसन्द के किसी अन्य नेता को इस पद पर बैठा सकते हैं।

कांग्रेस में बढ़ी खींचतान: बिहार हार के बाद हाईकमान पर सवाल, राहुल गांधी की परेशानी बढ़ी

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस में अंदरूनी विरोध तेज हो गया है। आरजेडी और कांग्रेस दोनों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और एनडीए की लहर में महागठबंधन की सीटें 40 तक नहीं पहुंच पाईं। कांग्रेस मात्र 6 सीटों पर सिमट गई, जिसके बाद पार्टी के भीतर नाराजगी खुलकर सामने आ गई है। एनडीए की जीत के बाद बीजेपी दफ्तर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टिप्पणी की थी कि कांग्रेस के भीतर नया धड़ा पैदा हो रहा है और पार्टी की मौजूदा दिशा को लेकर नेताओं में निराशा है। मोदी ने आशंका जताई थी कि कांग्रेस में बड़ा विभाजन हो सकता है। पटना में कांग्रेस नेता कृपानाथ पाठक ने टिकट बंटवारे, बूथ स्तर की तैयारी और नेतृत्व की रणनीति पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि शीर्ष नेतृत्व तक जमीन की सही जानकारी नहीं पहुंचाई गई, जिसकी वजह से बड़ी चूक हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हाईकमान अब नहीं जागा, तो आगे हालत और बिगड़ सकते हैं। बिहार चुनाव के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी नतीजों पर निराशा जताई। उनका कहना था कि टिकट बंटवारे में देरी और गलतियों से चुनाव प्रभावित हुआ। अखिलेश प्रसाद सिंह ने चुनाव प्रभारी कृष्णा अल्लावरू को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि कांग्रेस-आरजेडी में संतुलन की कमी इसी वजह से रही। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर बिहार कांग्रेस को ठेके पर दे दिया गया। दिवंगत नेता अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने भी कांग्रेस हाईकमान पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि पार्टी बार-बार इसलिए हार रही है क्योंकि सत्ता कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित है, जो जमीन से कटे हुए हैं। मुमताज पटेल ने आरोप लगाया कि

मुस्लिम वोट बैंक को हल्के में लिया गया, और तीसरा विकल्प मिलने पर वोटर AIMIM की ओर झुक गए। इसी तरह पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद ने भी टिकट बंटवारे में अनियमितता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यदि आरोप सही हैं, तो हाईकमान को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने AIMIM के बढ़ते विस्तार को कांग्रेस के लिए खतरा बताया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस का रुख पहले से ज्यादा वामपंथी हो गया है। उनका कहना था कि मनमोहन सिंह के समय कांग्रेस अधिक केंद्रवादी थी, जबकि आज पार्टी विचारधारा में स्पष्ट रूप से वाम झुकाव रखती है। राहुल गांधी की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के दौरान उन्होंने विरोध जरूर किया, लेकिन 1 सितंबर के बाद लगभग एक महीने तक चुनाव प्रचार से गायब रहे। बिहार चुनाव में भी उनकी सक्रियता कम दिखाई दी। नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते रहे, वह जमीन पर असर पैदा नहीं कर सके।

पुराने भवन की डिस्मेंटलिंग शुरू, जल्द बनेगी 100 बैड की एमसीएच यूनिट

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़। राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में एनएचएम के तहत 72 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत 100 बैड के नए भवन का भाजपा युवा नेता सुभाष चौधरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में 200 बैड संचालित हैं और 100 बैड और जुड़ने से क्षमता 300 बैड हो जाएगी, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। पुराने भवन की डिस्मेंटलिंग शुरू हो चुकी है और इसी स्थान पर अत्याधुनिक एमसीएच यूनिट का निर्माण किया जाएगा, जिसमें माइनर ओटी, एचडीयू/आईसीयू, ओपीडी, गायनी, पीडियाट्रिक ओपीडी, एक्स-रे, एमएनसीयू, एसएनसीयू, हाई रिस्क वार्ड, पीएनसी वार्ड, डीईआईसी, लैब, डेंटल रूम, साउंडप्रूफ रूम और एनआरसी वार्ड सहित आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं शामिल होंगी। चौधरी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है और किशनगढ़ में नया अस्पताल भवन इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस दौरान अमित अग्रवाल, सूर्य प्रताप सिंह चौधरी, मनमीत सोनी, जगदीश कोठीवाल, ललित मालाकार, पृथ्वीराज सिंह, सीताराम बंसल, नंदकिशोर वैष्णव, महावीर मालाकार, राजकुमार जैन, धर्मराज जाट, रामु चौधरी, बलवीर चौधरी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुष्कर मेले में कीर्ति मालाकार ने जीता महिला केसरी का खिताब

कीर्ति मालाकार
की गौरवशाली उपलब्धि

आगाज की आवाज (पाक्षिक समाचार पत्र)

पुष्कर। पुष्कर। किशनगढ़ की लव कुश व्यायाम शाला की पहलवान कीर्ति मालाकार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुष्कर मेला महिला केसरी 2025 का खिताब जीता। उस्ताद तुलसीराम मालाकार ने बताया कि कीर्ति ने दमखम और संघर्ष के साथ फाइनल मुकाबले में प्रतिद्वंदी को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। जीत के बाद व्यायाम शाला और किशनगढ़ में हर्ष का माहौल रहा।अजमेर जिला केसरी ओमप्रकाश मालाकार की पुत्री और भाजपा सिलोरा मंडल अध्यक्ष की भतीजी कीर्ति ने हाल ही में हरियाणा में हुई नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया था। उनकी इस उपलब्धि पर एडवोकेट मदनलाल जांगिड़, प्रेमचंद गहलोत, मंगल त्यागी, महिपाल गुर्जर और हीरालाल जांगिड़ ने बधाई दी।

सम्पादकीय

सड़कें इंसानों की या आवारा कुत्तों की?- सुप्रीम कोर्ट ने खींची साफ लकीर

देश की सड़कों और सार्वजनिक संस्थानों में फैली अव्यवस्था और बढ़ते खतरे के बीच सुप्रीम कोर्ट का ताजा आदेश एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे की कमियों को आईना दिखाता है। सवाल यह नहीं है कि आवारा कुत्तों के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए-सवाल यह है कि क्या सार्वजनिक सुरक्षा के मूल अधिकार पर किसी तरह का समझौता किया जा सकता है? अदालत ने साफ कर दिया है कि जवाब "नहीं" है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों और नगर निकायों में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अस्पतालों, स्कूलों, स्टेशन, बस अड्डों और सरकारी भवनों के बाहर इनके झुंड दिखना आम होता जा रहा है। कई बार इनसे टकराकर लोग घायल होते हैं, कई बार काटने की घटनाएं सामने आती हैं। अदालत ने मीडिया रिपोर्टों और बढ़ती शिकायतों को देखते हुए इस पूरे मसले को गंभीरता से लिया और माना कि अब सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि सख्त आदेश की जरूरत है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की विशेष बेंच ने उन इलाकों को प्राथमिकता से चिन्हित करने को कहा है, जहां मनुष्यों के साथ कुत्तों के टकराव का खतरा सबसे अधिक है। इनमें राजमार्ग, शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे प्रमुख हैं। कोर्ट का कहना है कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों और अन्य मवेशियों को हटाकर सुरक्षित आश्रय स्थलों में रखा जाना अनिवार्य है। यह सिर्फ एक निर्देश नहीं, बल्कि यह संकेत है कि सार्वजनिक स्थानों पर अव्यवस्था अब स्वीकार्य नहीं मानी जाएगी। हालांकि अदालत ने पहले जन्म नियंत्रण (ABC) कार्यक्रम के तहत बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उसी जगह वापस छोड़ने का निर्देश दिया था, लेकिन इस बार उसके सुर बदले हुए हैं। वजह साफ है-समस्या नियंत्रण के बाहर जाती दिख रही है। इसलिए अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि हाईवे और संस्थागत क्षेत्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है, और कुत्तों को पकड़कर दोबारा वहीं नहीं छोड़ा जाएगा। यह बदलाव अदालत की बढ़ती चिंताओं और जमीनी हकीकत दोनों की ओर इशारा करता है।दरअसल, यह स्थिति अचानक नहीं बनी। नगर निगमों और स्थानीय निकायों ने वर्षों तक पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से नहीं लिया। बजट, निगरानी और व्यवस्थापन-तीनों मोर्चों पर लापरवाही लगातार बनी रही। इसका नतीजा यह निकला कि कुत्तों की आबादी अनियंत्रित होती गई, और अब हालत यह है कि अदालत को सीधे हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। यदि प्रशासन समय रहते अपनी जिम्मेदारी निभाता, तो यह संकट इतना गहरा नहीं होता।फिर भी अदालत ने अपने आदेश में संतुलन का भाव रखा है। उसने यह नहीं कहा कि कुत्तों के साथ निर्ममता बरती जाए या उन्हें नुकसान पहुंचाया जाए, बल्कि यह स्पष्ट किया है कि मानवीय संवेदना और जन सुरक्षा-दोनों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। अदालत इस समस्या को सिर्फ "कुत्ता समस्या" नहीं मानती, बल्कि इसे एक व्यवस्थागत विफलता के रूप में देखती है और उसे सुधारने की दिशा में ठोस कदमों की आवश्यकता बताती है। यह आदेश नगर निकायों, राज्यों और प्रशासनिक मशीनरी के लिए एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि ढिलाई अब बेहद महंगी पड़ सकती है, और अवसर इसलिए कि यदि सही तरीके से प्रबंधन किया जाए तो शहरों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और मानवीय बनाया जा सकता है। अदालत का संदेश स्पष्ट है-सड़कें और सार्वजनिक स्थान इंसानों के लिए बने हैं, और प्रशासन का कर्तव्य है कि उन्हें सुरक्षित रखा जाए। अंततः यह फैसला हमें एक बार फिर यह याद दिलाता है कि आधुनिक शहर सिर्फ इमारतों और सड़कों से नहीं, बल्कि व्यवस्था और जिम्मेदारी से बनते हैं। और जब व्यवस्था लड़खड़ाती है, तो अदालत को वह काम करना पड़ता है जो असल में प्रशासन को करना चाहिए था।

गिव अप अभियान की अवधि अब 31 दिसम्बर तक बढ़ी

अजमेर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अपात्र परिवारों से स्वैच्छिक त्याग के लिए चल रहे गिव अप अभियान की अवधि अब 31 दिसम्बर तक बढ़ा दी गई है। जिला रसद अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि अब तक 10,182 कार्डधारक जिनकी 37,918 यूनिट हैं, अपना नाम सूची से हटवा चुके हैं।उन्होंने कहा कि अंतिम तिथि के बाद अपात्र पाए जाने पर वसूली व दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। 6 माह से 2 वर्ष तक राशन नहीं लेने वाले उपभोक्ता भी निगरानी में हैं। इनकी सूची ग्राम पंचायतों व उचित मूल्य दुकानों पर चस्पा की गई है। विभाग ने अपात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे समय रहते अपना नाम हटवाकर असुविधा से बचें।

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक पटेल को नमन, आधुनिक भारत की दिशा हो रही मजबूत : चौधरी

सरदार पटेल की जयंती पर होने वाले एकता कार्यक्रमों को लेकर मंत्री चौधरी ने दी विस्तृत जानकारी

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर/जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने मंगलवार को अजमेर मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि वर्ष 2025 भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का ऐतिहासिक वर्ष है। यह अवसर न केवल उनके अदम्य नेतृत्व को स्मरण करने का है, बल्कि उनकी 'अखंड भारत' की भावना को 'श्रेष्ठ भारत' में रूपांतरित करने का संकल्प भी है। भागीरथ चौधरी ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 6 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक देशभर में "सरदार@150 यूनिटी मार्च - एक भारत, आत्मनिर्भर भारत" नामक राष्ट्रव्यापी आयोजन चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने जिस कुशलता से बिखरी हुई रियासतों को जोड़कर भारत की अखंडता स्थापित की, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए भारत को श्रेष्ठ, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत को एक किया, और आज नरेंद्र मोदी उस एक भारत को श्रेष्ठ बनाने के पथ पर अग्रसर हैं। अनुच्छेद 370 हटाने से लेकर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई, किसानों-गरीबों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक योजनाएँ-ये सब उस एकता और आत्मगौरव की पुनर्स्थापना के प्रतीक हैं। प्रेसवार्ता में भागीरथ चौधरी ने बताया कि "सरदार@150 यूनिटी मार्च" के तहत 31 अक्टूबर (राष्ट्रीय एकता दिवस) को प्रत्येक जिले में एकता पदयात्राएँ आयोजित की जाएँगी। अजमेर जिले में यह पदयात्रा विजय लक्ष्मी गार्डन, मेडिकल कॉलेज सर्किल से प्रारंभ होगी, जिसमें युवा, छात्र, स्वयंसेवी संस्थाएँ, जनप्रतिनिधि और नागरिक समाज की व्यापक भागीदारी होगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर स्वच्छता अभियान, स्वदेशी मेला, नशा मुक्ति अभियान, संगोष्ठियाँ और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी। साथ ही, प्रत्येक जिले से चयनित युवा प्रतिनिधि दल 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय यूनिटी मार्च में भाग लेंगे, जो सरदार पटेल की जन्मभूमि करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर तक 150 किलोमीटर की ऐतिहासिक यात्रा होगी। भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी से इस अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की एकता, स्वाभिमान और विकास की भावना का उत्सव है। हमें मिलकर सरदार पटेल के 'एक भारत' को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'श्रेष्ठ भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है।

'अर्चना के स्वर' का लोकार्पण, लोक बंधु ने कहा- डॉ. सोमानी की लेखनी युवा पीढ़ी को करेगी प्रेरित

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। अमृत सम्मान से सम्मानित, राजस्थानी मायण एवं हिंदी भाषा के वयोवृद्ध साहित्यकार, कवि व लेखक डॉ विनोद सोमानी 'हंस' के नवीन निबंध-संग्रह 'अर्चना के स्वर' का लोकार्पण शुक्रवार को अजमेर जिला कलक्टर लोक बंधु के कर-कमलों द्वारा किया गया। डॉ हंस के पुत्र, सीए डॉ श्याम कुमार सोमानी ने कलेक्ट्रेट कक्ष में पहुंचकर पुस्तक की प्रति जिला कलक्टर को सौंपते हुए पाठकों को समर्पित करने का आग्रह किया। कलक्टर लोक बंधु ने संग्रह में शामिल 40 निबंधों पर रुझान व्यक्त करते हुए कहा कि यह कृति युवा पीढ़ी को जीवन की दिशा देने वाली है- "डॉ हंस ने बहुत सरल भाषा में जीवन के गूढ़ सत्य समझाए हैं। इस संग्रह में लेखक का आजीवन अनुभव झलकता है। यह निबंध बताते हैं कि व्यक्तित्व को कैसे संस्कारित किया जाए, अहं को सरल सत्य से कैसे जीतें और जीवन के अंधकार से प्रकाश की ओर कैसे बढ़ें। युवा पाठकों के लिए यह संग्रह मार्गदर्शक सिद्ध होगा।" डॉ विनोद सोमानी 'हंस' राजस्थान के उन चुनिंदा साहित्यकारों में शामिल हैं जिन्हें वर्ष 2023-24 में राजस्थान साहित्य अकादमी का अमृत सम्मान प्राप्त हुआ है। अब तक उनकी 42 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें कहानी, कविता-संग्रह, अनुवाद एवं चिंतनात्मक निबंध शामिल हैं। हाल ही में उनका लघु कविता-संग्रह 'महर के मोती' प्रकाशित हुआ था।' अर्चना के स्वर' को डॉ सोमानी ने अपने परम पूज्य गुरु हरदयाल को समर्पित किया है-

जिनके संकल्प, उनके अनुसार, "अध्यात्म की रसधार को जन-जन में आल्हादित करते हैं।" राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान, जयपुर की सचिव डॉ सुषमा शर्मा ने इस कृति की समीक्षा में लिखा- "यह संग्रह चेतना की अलख जगाने वाला है। इसमें ऐसे प्रसंग हैं जो सत्य और विश्वास को गुणातीत करते हैं। विषय ज्ञानपरक हैं- 'सद्गुरु के बिन कुछ नाहिं', 'प्रेम जगत का सार', 'इच्छा दुःख का मूल' जैसे प्रसंग पाठक को आत्मबोध कराते हैं।" इस संग्रह का संपादकीय डॉ हंस के पुत्र सीए डॉ श्याम सोमानी ने लिखा है। उन्होंने गुरु-भक्ति पर केंद्रित पंक्तियों के साथ उल्लेख किया- "जब शिष्य पूर्ण समर्पण करता है तो सद्गुरु कृपा कर उसे चौरासी के बंधन से मुक्त करते हैं। गुरु कुम्हार की तरह शिष्यों के दोष निकालकर उन्हें दृढ़, टिकाऊ और सुंदर घड़ा बनाते हैं- चोट भी वही देते हैं और सहारा भी वही देते हैं।"उन्होंने प्रकाशक हिमांशु वर्मा एवं उनकी टीम को सहयोग के लिए आभार जताया और शुभचिंतकों का धन्यवाद किया।

आधुनिक तकनीक और नए प्रयोगों की झलक दिखाती कृषि विकास प्रदर्शनी

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का जल संसाधन विभाग कैबिनेट मंत्री एवं विधायक पुष्कर सुरेश सिंह रावत ने जिला कलक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित उद्घाटन किया। इस दौरान कृषि एवं उद्यान विभाग के डॉ. के.पी. सिंह उपनिदेशक उद्यान ने बगीचे में ऑटोमेशन तकनीक की मशीन के बारे में बताया। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद संजय तनेजा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला 2025 में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें विभागीय योजनाओं के अनेक मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो किसानों के लिए रुचिकर बने हुए हैं। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना फार्म पौंड और तारबंदी योजना, सोलर पंप योजना के मॉडलों ने किसानों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इसके अतिरिक्त जल हौज, ग्रीन हाउस, बूंद-बूंद सिंचाई योजना, मिनी स्प्रिंकलर, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना में वर्मी कंपोस्ट, प्याज भंडारण, शेड नेट हाउस, प्रो ट्रेज में सैंपलिंग, फलदार बगीचा मॉडल, प्लास्टिक मल्च, लो टनल में खेती, गुलाब की प्रोसेसिंग यूनिट, एजोला, वर्मी कंपोस्ट, रुफ टॉप गार्डेनिंग, रोटावेटर, सीड ड्रिल, हैरो, कृषि यंत्रों के मॉडल, प्राकृतिक खेती में जीवामृत, बीजामृत, निमास्त्र जैसे प्राकृतिक जैव उर्वरक, जैव कीटनाशी का कृषि में उपयोग आदि योजनाओं पर विभाग द्वारा सजीव एवं प्रैक्टिकल मॉडल बना कर किसानों के लिए प्रदर्शित किया गया है, जो जनसैलाब और किसानों को पसंद आया है।इस अवसर पर कृषि अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, अनिल गुर्जर, रामेश्वर लाल गैना उप परियोजना निदेशक आत्मा योजना, सहायक कृषि अधिकारी कन्हैयालाल सुनारीवाल, राजेश

भोगवत, मुकेश कुमार, लक्ष्मीनारायण तंवर, मनोहरलाल, मुकेश मीना मैनेजर राजहंस नर्सरी बांसेली, कृषि पर्यवेक्षक सुभाष खोजा, रामरतन चौधरी, महेंद्र चौधरी, रामप्रसाद, मालती जागृत, पुष्पांजलि कुमावत, धर्मेंद्र सिंह राठौड़ सहित विभागीय अधिकारी प्रदर्शनी स्थल पर मौजूद रहकर किसानों को अनुदानित योजनाओं की जानकारी दी।

समाजिक एकता और परंपरा का संदेश देता सामूहिक विवाह समारोह : भागीरथ चौधरी

प्रजापति समाज का देवउठनी एकादशी पर सराहनीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम; केंद्रीय मंत्री ने दंपतियों को दी आशीष

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

मौजमाबाद (जयपुर)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने मौजमाबाद में श्री दक्ष सेवा संस्थान, बोराज की ओर से आयोजित श्री प्रजापति समाज प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि देवउठनी एकादशी जैसे पावन अवसर पर यह आयोजन समाज की एकता, सहयोग और सेवा भावना का प्रेरक उदाहरण है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि ऐसे सामूहिक विवाह सम्मेलन न केवल परिवारों पर आर्थिक बोझ घटाते हैं, बल्कि समाज में संस्कार, भाईचारा और सहयोग की भावना को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को मंगलकामनाएँ देते हुए श्री दक्ष सेवा संस्थान के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री ने वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह जैसी परंपराएँ समाज सुधार की दिशा में प्रेरणास्रोत हैं।

अन्नकूट महोत्सव में उमड़ी भक्ति और उल्लास

ग्रसेन विहार स्थित जगत शिरोमणि राधा-कृष्ण मंदिर में हुआ भक्तिमय आयोजन

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़। अग्रसेन विहार स्थित मंदिर श्री जगत शिरोमणि श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया इस अवसर पर विष्णु सोमानी पार्टी द्वारा भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भगवान गणेश, राधा, कृष्ण, शिव और हनुमान के भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर पुजारी श्याम शरण ने राधा-कृष्ण सहित अन्य देवी-देवताओं का विशेष श्रृंगार किया और 56 भोग अर्पित कर महाआरती संपन्न की। इसके पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंदिर शिरोमणि ट्रस्ट एवं समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों व सेवाभावी कार्यकर्ताओं सहित कैलाश चंद अग्रवाल, कमल किशोर मोर, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, जय नारायण अग्रवाल, सत्यप्रकाश, घनश्याम अग्रवाल, नटवर मौर, एस.के. बंसल, बाल मुकुंद, किशन लाल, मुरलीधर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, सर्वेश्वर मुरली अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, सर्वेश्वर कामदार, श्याम सिंहल और अरविंद अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

150वीं जयंती के अवसर पर बिरसा मुंडा की स्मृति में होंगे कई प्रेरक कार्यक्रम

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में जिले के जनजाति क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों के माध्यम से लाभान्वित रहने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु ने निर्देश प्रदान किए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने इस दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों की कार्ययोजना से अवगत कराया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि भगवान बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को रांची जिले के उलिहातु गांव में हुआ था। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद हुए प्रसिद्ध आदिवासी आंदोलन के महानायक के रूप में बिरसा मुण्डा के नेतृत्व में महत्वपूर्ण कार्य हुआ। धरती के पिता 'धरती आबा' के नाम से जाने जाने वाले बिरसा मुण्डा को आदिवासी लोगों के बीच देवता के रूप में पूजा जाता है। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मण्डल ने आदिवासी स्वतंत्रता सैनानियों के योगदान को मनाने के लिए प्रतिवर्ष 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है। जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी 15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025 तक जनजाति गौरव वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया है। जनजातीय गौरव वर्ष के अन्तर्गत एक नवम्बर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि शनिवार, एक नवम्बर को एकलव्य मॉडल रेजिडेन्सियल स्कूल (ईएमआरएस) में जनजाति संस्कृति, परम्परा एवं कला विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार रविवार, 2 नवम्बर को लाभ सन्तृप्ति शिविरों का आयोजन ई-मित्र केंद्रों पर जिला प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से होगा। सोमवार, 3 नवम्बर को समस्त विद्यालयों में प्रार्थना सभा में भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी की जानकारी दी जाएगी एवं निबंध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार, 4 नवम्बर को महाविद्यालयों में भगवान बिरसा मुण्डा पर भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि काष्ठ कला कार्यशाला का टीआरआई द्वारा 6 नवम्बर 2025 से 11 नवम्बर 2025 तक आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार, 7 नवम्बर को कृषकों की संगोष्ठी का आयोजन करने के साथ ही विभागीय गतिविधियों, योजनाओं एवं भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर प्रकाश डाला जाएगा। शनिवार, 8 नवम्बर को राजीविका के माध्यम से वनधन विकास केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाएगा। रविवार, 9 नवम्बर को टीएडी के आवासीय विद्यालयों एवं आश्रम छात्रावासों में भगवान बिरसा मुण्डा पर भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार मंगलवार, 11 नवम्बर को आंगनबाड़ी केंद्रों पर जयन्ती कार्यक्रम में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जाएगी। बुधवार, 12 नवम्बर को ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। गुरूवार, 13 नवम्बर को भगवान बिरसा मुण्डा एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सैनानियों के नाम पर चौराहों, पार्कों, सड़कों के नामकरण होंगे। शुक्रवार, 14 नवम्बर को जिला विशिष्ट गतिविधियों का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार शनिवार, 15 नवम्बर को ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजन होंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम सभा का आयोजन, सेवा शिविरों में अवशेष पट्टों का वितरण, राष्ट्रीय स्तरीय मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण एवं जहां आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आदिसेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं, वहां यह कार्यक्रम आदिसेवा केंद्र पर ही होगा। साथ ही वहां जन समस्या समाधान शिविरों का भी आयोजन होगा। इसी प्रकार ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर गतिविधियों के आयोजन किए जाएंगे।

संत कँवर राम साहिब की अमर विरासत को नमन, मनाया स्मृति दिवस

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़। सिंधी समाज की ओर से भगवान झूलेलाल मंदिर में संत भगत कँवर राम साहिब का 86वां शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत कँवर राम साहिब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं ज्योत प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर ललित महाराज, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के उपाध्यक्ष निर्मलदास कोड़वाणी, सिंधु सेवा समिति के पदाधिकारी पीशु भाई मुलानी, विजय गुरनानी, गिरधारी अमरवानी सहित सिंधु नवयुवक संघ के पदाधिकारी अशोक फतनानी, करण मेघानी, लक्ष्मणदास मुलचंदानी, रमेश खेमानी, पंकज अमरवानी और नरेश मंगलानी ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में गिरधारी अमरवानी ने संत कँवर राम साहिब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 19 अप्रैल 1885 को सिंध प्रांत के जाखर में हुआ था। 1 नवम्बर 1939 को सुक्कूर में यात्रा के दौरान उन्हें असामाजिक तत्वों ने गोली मार दी थी। गोली मारने से पूर्व उन्हीं लोगों ने संत से आशीर्वाद भी लिया था। विजय गुरनानी ने बताया कि संत कँवर राम साहिब अपने मधुर भजनों और आध्यात्मिक प्रवचनों से पूरे सिंध प्रांत में लोकप्रिय थे। उनके भजनों की गूंज से गांव और शहर उमड़ पड़ते थे, जिससे कुछ कट्टरपंथी ईर्ष्या करने लगे और उन्होंने ही उनकी हत्या की साजिश रची। कार्यक्रम के अंत में सिंधु नवयुवक संघ के सचिव करण मेघानी ने प्रसाद वितरण किया, वहीं संघ के अध्यक्ष अशोक फतनानी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों और श्रद्धालुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

टाटा बिल्डिंग फाउंडेशन की निबंध प्रतियोगिता में साहिबा-विधि को गोल्ड, सिमरन-कुसुम को सिल्वर और रुकसाना-यश को ब्रॉन्ज

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़। स्थानीय मालियों की ढाणी स्थित आर.डी.के.एल. सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टाटा बिल्डिंग फाउंडेशन द्वारा "आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए मेरे पांच सुझाव" विषय पर देशव्यापी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। सीनियर वर्ग में साहिबा बानो (कक्षा 12) ने स्वर्ण, सिमरन बानो ने रजत और रुकसाना बानो ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं जूनियर वर्ग में विधि सेन (कक्षा 8) ने स्वर्ण, कुसुम सैनी ने रजत और यश मालाकार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी विजेताओं को टाटा फाउंडेशन की ओर से मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बिरदी चन्द मालाकार, प्रकाश कुमार दायमा, गोपाल गिरि गोस्वामी, खुशबू शर्मा, मनीषा पुण्डीर, कीर्ति पाराशर, पूजा परिहार, ललिता कंवर, पूजा मेघवाल, किरण कंवर, रिंकल सेजू, जितेंद्र नाथ, मंजू कंवर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वन्दे मातरम्@150 : 5230 लोगों ने किया सामूहिक गायन

अजमेर । पुलिस लाइन मैदान में वन्दे मातरम्@150 कार्यक्रम के तहत 5230 से अधिक लोगों ने सामूहिक गायन किया। स्वतंत्रता सेनानी शोभा राम गहरवार और जानकी टी. गोकलानी का सम्मान किया गया। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने वन्दे मातरम् को राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में छात्राओं और कलाकारों की देशभक्ति प्रस्तुतियों ने माहौल उत्साहपूर्ण बना दिया। अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

शार्दुल विद्यालय में छात्रों ने दिखाई सृजनात्मक क्षमता

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़। शार्दुल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से ब्लॉक स्तरीय सृजनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य फरीदा भाटी ने बताया कि प्रतियोगिताओं में निबंध, आशु भाषण, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला और एकल गीत सहित विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया। निबंध प्रतियोगिता में आस्था लखावत प्रथम और प्रदीप चौधरी द्वितीय रहे। आशु भाषण में प्रिंस सिंह बकावत ने प्रथम तथा छवि सैनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में किशन सिंह राठौड़ प्रथम व कुशल खोरवाल द्वितीय स्थान पर रहे।चित्रकला प्रतियोगिता में नीतू चौधरी ने प्रथम और दिलीप शाह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकल गीत प्रतियोगिता में आराधना प्रजापत प्रथम तथा आलिया द्वितीय स्थान पर रहीं। निर्णायक के रूप में राजकुमार कुमावत, नोरतन नाथ, दयाल बाजिया, रानू सोलंकी, अशोक कुमार राजपुरोहित, नीलम छाजेड़, यशपाल सिंह, कमलनयन भंवरिया, पीयूष पुरोहित, राकेश टाक, नवनीत जैन और राजेश कुमावत उपस्थित रहे।

राष्ट्रभावना के प्रतीक हैं महाराणा प्रताप के आदर्श : भागीरथ चौधरी

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

नसीराबाद (अजमेर)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) उपशाखा नसीराबाद की ओर से गोपाष्टमी के अवसर पर फ्रामजी गार्डन में आयोजित महाराणा प्रताप मूर्ति लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक वीर योद्धा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और स्वराज्य के अमर प्रतीक हैं। उनका जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) शिक्षा के साथ संस्कार, संस्कृति और समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। महाराणा प्रताप जैसी विभूति की प्रतिमा का लोकार्पण शिक्षा-जगत और समाज दोनों के लिए प्रेरणादायक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षक और किसान दोनों ही राष्ट्र की आत्मा हैं - एक खेतों में अन्न उपजाता है, तो दूसरा बच्चों के मन में संस्कार और चरित्र का निर्माण करता है। उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा जगत में बड़ा परिवर्तन बताया। कार्यक्रम में विधायक रामस्वरूप लाम्बा, मुख्य अधिशाषी अधिकारी छावनी परिषद् डॉ. नितिश गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर अजमेर में विशाल पद यात्रा का आयोजन

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। पद यात्रा को सम्भागीय आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़, जिला कलक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा और भाजपा देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा पटेल मैदान से शुरू होकर बजरंगगढ़ चौराहा और वैशाली नगर से होते हुए रीजनल कॉलेज चौपाटी पर संपन्न हुई, जहां राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। पटेल मैदान पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यात्रा में स्थानीय युवाओं, माई भारत, सामाजिक कार्यकर्ताओं, हाड़ी रानी बटालियन, नर्सिंग कॉलेज, आशा सहयोगिनी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, स्काउट गाइड, शारीरिक शिक्षकों, विद्यार्थियों, राजकीय कन्या महाविद्यालय, राजस्थान पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के प्रथम एवं द्वितीय समूह की सहभागिता रही। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आगामी 6 दिसंबर तक एकता मार्च अभियान चलाया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में राष्ट्रीय एकता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर रमेश सोनी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस के डीआईजी पुखराज जयपाल, राकेश सिंह जून, डी.एस. मान, मनोज कुमार, के.जी. काबुई, अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़, हाड़ी रानी बटालियन की श्वेता त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी जगनारायण व्यास, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्स्ना रंगा और रचित कच्छावा उपस्थित रहे।

पुष्कर मेले में रसद विभाग की कार्रवाई,

5 घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। रसद विभाग द्वारा पुष्कर मेले के दौरान घरेलू एलपीजी सिलेण्डरों के अवैध उपयोग को रोकने के लिए पुष्कर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेण्डरों की धरपकड़ का अभियान चलाया गया। जांच दल द्वारा 5 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। जिला रसद अधिकारी मोनिका जाखड़ ने बताया कि नौखण्ड मंदिर रामधाम पुष्कर के पवित्र भोजनालय, पुष्कर मेला ग्राउण्ड के अशोक रावली, कपालेश्वर महादेव मंदिर के जय सांवरिया सेठ नाश्ता, श्याम टी स्टॉल एवं दिल्ली के मशहूर छोले कुल्छे से एक-एक घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किए गए। इन फर्मों का यह कृत्य एलपीजी ऑर्डर-2000 का उल्लंघन है। साथ ही ये प्रकरण ईसी एक्ट 1955 की धारा 6 ए में जिला कलक्टर के न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। जांच दल में प्रवर्तन निरीक्षक राहुल वेदवाल, महेन्द्र कुमार यादव एवं मुकेश कुमार बुगलिया रहे।

मतदाता सूची में किसी पात्र मतदाता का नाम न छूटे, कार्यकर्ता पूरी तत्परता से जुटें : भागीरथ चौधरी

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

किशनगढ़ (अजमेर)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के निजी आवास एवं कार्यालय पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्देशित प्रक्रिया को पूरी सक्रियता एवं पारदर्शिता के साथ निष्पादित किया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता इसमें सक्रियता के साथ आवश्यक सहयोग देंगे और अपने बूथ व मंडल स्तर पर पुनरीक्षक टीमों की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योग्य मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित हो और वोटर लिस्ट में कोई छूट न हो। कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष किशनगोपाल दरगढ़, नगर परिषद उपसभापति मनोहर तारानी, अराई उपप्रधान विष्णु शर्मा, अराई पूर्व प्रधान हरजीराम नुवाद, किशनगढ़ मंडल अध्यक्ष अमित अग्रवाल, मदनगंज अध्यक्ष राखी शर्मा, सुरसुरा अध्यक्ष कुलदीप सुनारीवाल, सिलोरा अध्यक्ष लक्ष्मण पहलवान, बोराड़ा अध्यक्ष रणजीत खोड, अराई अध्यक्ष शिवरतन सिंह राठौड़, पूर्व अध्यक्ष राजीव शर्मा, श्यामसुंदर वैष्णव, जगदीश कोठीवाल सहित स्थानीय पार्षद, मंडल पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, बूथ बीएलओ एवं भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विशेष पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण

आगाज की आवाज
(पाक्षिक समाचार पत्र)

अजमेर। जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बंधु ने शनिवार को पुष्कर और पीसांगन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न मतदान केन्द्रों पर बीएलओ से बातचीत कर तेजी से मैपिंग, परिगणना प्रपत्रों के शत-प्रतिशत वितरण, मृत एवं दोहरी प्रविष्टियों को हटाने और 40 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की प्राथमिकता से जांच के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम राजीव बडगूजर, तहसीलदार इंद्रजीत सिंह चौहान सहित अधिकारी एवं बीएलओ उपस्थित रहे।

स्वामित्व, प्रकाशक ओमप्रकाश नाजवानी के लिए मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419/30 ब्रह्मपुरी, चर्च के पास, जयपुर रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित कर आगाज की आवाज (पाक्षिक) कार्यालयः 1-जे-16 न्यू हाऊसिंग बोर्ड, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। - सम्पादक ओमप्रकाश नाजवानी